

मंदोष्ण वि. (तत्.) हल्का या कम गर्म, थोड़ा गर्म, गुनगुना या कुनकुना अथवा कोसा पानी या द्रव, कवोष्ण।

मंद्र वि. (तत्.) 1. गंभीर, धीमा 2. प्रसन्न, आह्लादक, मनोहर, सुंदर पुं. 1. 2. गंभीर ध्वनि, एक वाद्य, मृदंग 3. तीन स्वर सप्तकों में से पहला मंद सप्तक 4. एक तरह का हाथी।

मंद्रस्वन पुं. (तत्.) गंभीर ध्वनि, गर्जन वि. गंभीर ध्वनि वाला, गर्जन करता हुआ।

मंशा स्त्री. (अर.) इच्छा, चाहना, अभिरुचि, चाह, अभिलाषा, उद्देश्य, आशय, अभिप्राय, मनोकामना, मनोरथ, मतलब, मनशा, भाव, विचार।

मंसूख वि. (अर.) रद्द, खारिज, काटा हुआ, मनसूख।

मंसूबा पुं. (अर.) संकल्प, इरादा, विचार, योजना, तजबीज, युक्ति, जोड़-तोड़, ढंग, षड्यंत्र।

मँगनी स्त्री. (देश.) 1. माँगने का भाव, किसी के माँगने पर उसे कुछ समय के लिए कोई चीज दे देना; अपना काम चलाने के लिए किसी से कुछ समय के लिए और बाद में लौटा देने के लिए कोई चीज ले लेना, इस प्रकार ली गई या दी गई कोई वस्तु 2. वह रस्म जिसमें भावी वर और कन्या का विवाह संबंध तय और पक्का होता है।

मँगवाना सं. क्रि. (देश.) दे. मँगाना।

मँगाना सं. क्रि. (देश.) 1. माँगने का काम दूसरे से कराना, दूसरे के हाथ कोई चीज माँगना 2. मँगनी कराना।

मंगेतर वि. (देश.) जिसके साथ किसी की मँगनी हुई हो।

मंझधार स्त्री. (तद्.) 1. नदी आदि की बीच की धारा वाला स्थान प्रयो. मंझधार से निकलना लगभग असंभव है 2. किसी काम आदि के बीच बेसहारा छोड़कर संकटों में रहने देने का भाव प्रयो. वह अपनी पत्नी को बीच मंझदार छोड़ हमेशा के लिए चला गया मुहा. मंझधार में पड़ना- चारों ओर से विपत्तियों से घिर जाना।

मँझली/मंझला वि. (तद्.) 1. मध्य या बीच का, प्रयो. मंझले कमरे की ओर जाओ 2. तीन या अधिक व्यक्तियों या समूहों में से बड़े के बाद का या मध्य में आने वाला युधिष्ठिर बड़ा भाई था जबकि अर्जुन मँझला था।

मँझाना/मंझाना अ. क्रि. (तद्.) 1. बीच में आ जाना 2. कहीं पर प्रवेश करना या प्रविष्ट होना, स. क्रि. मध्य में रखना या डालना।

मँझार/मंझार पुं. (तद्.) मध्य का अंश या भाग क्रि. वि. मध्य में या बीच में जैसे- सभा मंझार।

मँझावना/मंझावना अ. क्रि. (तद्.) दे. मँझाना।

मँझियार पुं. (देश.) 1. धँसकर ही पार कर पाने वाली जगह; पार करने के लिए नाव से जाने का स्थान 2. मध्य का, बीच का।

मँड़ई स्त्री. (देश.) झोंपड़ी, कुटी, कुटिया।

मँडराना अ. क्रि. (देश.) किसी वस्तु के चारों ओर घूमते हुए उड़ना, बराबर किसी के आस-पास रहना, मँडलाना।

मँडवा पुं. (देश.) मंडप, मंडैया, शादी-विवाह या किसी धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञ आदि के लिए बाँस कास आदि से ऊपर से ढँककर बनाया गया नीचे से चतुर्दिक खुला दालान।

मँडुआ पुं. (तद्.) एक प्रकार का मोटा अनाज, जिसके दाने बाजरे की तरह होते हैं।

मँडैया स्त्री. (देश.) छोटा मंडप, पर्णकुटी, झोंपड़ी।

मँहगा पुं. (देश.) 1. जिसकी कीमत उचित की अपेक्षा या सामान्य से अधिक हो, जिसकी कीमत पहले की तुलना में या दूसरे स्थानों से अधिक हो 2. जिसे करने या पाने में बहुत व्यय हो या बहुत कष्ट हो, महँगा 3. जो बड़ी कठिनाइयों से प्राप्त हुआ हो।

म पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. महेश 4. यम 5. चंद्रमा 6. समय, काल 7. विष, जहर।

मकई स्त्री. (देश.) मक्का, मक्का का पौधा या उसके दाने; एक प्रकार की घास जिसकी बाल के दाने